हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 7 जुलाई, 2025

11 51 पौधे रोपित कर आयुर्वेद चिकित्सक को छठी ...

12 हरी मिर्ची हुई तीखी, टमाटर हुआ और लाल ...

श्योराण अस्पताल
SHEORAN HOSPITAL
DR. PANKAJ SHEORAN
MBBS,M.D. (Psychiatry) PGIMS, Rohtak
Consultant Neuro Psychiatrist
दिमाग व मनोरोग विशेषज्ञ
मनोरोग न्यूरो
नशा मुक्ति सैक्स समस्याएं
अब श्योराण अस्पताल रोहतक गेट से मिनी बाईपास रोड पर शिफ़्ट हो गया है।
पता-मिनी बाईपास रोड, S.K. Resort के पास भिवानी 7056189390, 9350780749

खबर संक्षेप

दर्शना घनघस का सम्मान समारोह 9 को

भिवानी। 26 जून से 6 जुलाई तक अमेरिका में आयोजित हुए वर्ल्ड पुलिस फायर गेम्स में गांव धनाना निवासी चेयरमैन दलीप सिंह घणघस की पौत्रवधू दर्शना घणघस ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। उनकी उपलब्धि पर समस्त ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। इसी के चलते 9 जुलाई को गांव धनाना स्थित शहीद भगत सिंह सर्वजातीय जाटु खाप चबूतरा पर स्वर्ण पदक विजेता दर्शना घणघस का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। घणघस खाप के राष्ट्रीय प्रवक्ता नफे सिंह ने बताया कि यह सम्मान समारोह 9 जुलाई को दोपहर सवा दो बजे आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि दर्शना घणघस द्वारा जीता गया स्वर्ण पदक उनकी अटूट प्रतिबद्धता और खेल के प्रति समर्पण का प्रमाण है। उनकी जीत सिर्फ एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि उन सभी महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जिनमें प्रतिभा होने के बावजूद भी घर से बाहर निकलने की हिचक है। विशेषकर ग्रामीण पृष्ठभूमि की महिलाओं के लिए।

जांगड़ा धर्मशाला में जांच शिविर 10 को

भिवानी। राष्ट्रीय कामगार संघ के जिलाध्यक्ष मनीराम सोहासड़ा द्वारा 10 जुलाई को बाढ़ड़ा में लोहारू रोड स्थित जांगड़ा धर्मशाला में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें गुरुग्राम से डॉ. अनुप व गुरुग्राम से डॉ. भंडारी मानेसर मरीजों की लो ब्लड प्रेशर, पत्थरी, मसल दर्द, लीवर प्रॉब्लम, गैस अल्सर, खांसी, सुजन, बालो का झडन्ना, नस ब्लॉकेज, शुगर, कैंसर, आवाज में प्रॉब्लम, लकवा, बवासीर, हार्ट की प्रॉब्लम, गांट की प्रॉब्लम सहित अन्य सामान्य बीमारियों की निःशुल्क जांच की जाएगी। संघ के जिलाध्यक्ष मनीराम ने बताया कि ये शिविर उन लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण साबित होगा, जो आर्थिक तंगी या अन्य कारणों से नियमित स्वास्थ्य जांच नहीं करवा पाते। उन्होंने बताया कि शिविर में मरीजों की विभिन्न बीमारियों की जांच की जाएगी और अनुभवी चिकित्सक उन्हें उचित परामर्श प्रदान करेंगे। उन्होंने जरूरतमंद लोगों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है, ये निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर निश्चित रूप से कई परिवारों के लिए वरदान साबित होगा।

88 करोड़ रुपये के बजट से बदलेगी बहल की तस्वीर, दो परियोजनाएं शुरू

पूर्व कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल ने टैंक निर्माण की नारियल फोड़कर की शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

प्रदेश के पूर्व कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल ने रविवार को बहल कस्बे को आधुनिक बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता के लिए हुए दो महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने महाग्राम विकास योजना के तहत कस्बे में सीवरेज व पेयजल परियोजनाओं की शुरूआत करते हुए बूस्टिंग स्टेशन में बनने वाले टैंक निर्माण की नारियल फोडक़र शुरूआत की। इन दोनों परियोजनाओं पर करीब 88 करोड़ (सीवरेज पर 35 व पेयजल पर 53 करोड़ रूपये) रुपये खर्च किए जाएंगे।

रविवार को बूस्टिंग स्टेशन नं. 4 पर आयोजित कार्यक्रम में जेपी दलाल ने कहा कि भाजपा सरकार की नीति रही है कि गांवों का शहरों की तर्ज पर विकास करते हुए आमजन को मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाई जाए। भाजपा सरकार ने अंत्योदय की भावना से काम करते हुए समाज की अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सुविधा व लाभ पहुंचाने का प्रयास किया है। बहल जैसे कस्बे में भाजपा शासन में विकास की ऐसी परियोजनाएं मंजूर की गई है जिससे आने वाले दिनों में बहल कस्बा एक शहर के रूप में विकसित नजर आएगा। बहल में लुवास का केन्द्र, सीवरेज, पेयजल, मॉडल संस्कृति भवन, एचएयू का एक्सिलेंस सेंटर, गरवा का मछली पालन केन्द्र जैसी योजनाएं है जिनके पूरा होने से बहल का नाम पूरे प्रदेश में जाना जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे विपक्षी लोगों के बहकावे में न आकर भाजपा का साथ दें। उन्होंने जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे इन परियोजनाओं को क्रियांवित करते समय प्रयोग होने वाली सामग्री की गुणवत्ता व समय सीमा का खास ख्याल रखें। इसके अलाव वे यह भी सुनिश्चित करें कि इन परियोजनाओं के चलते किसी कस्बावासी को किसी प्रकार की दिक्कत परेशानी न आए। अधिकारी इसके लिए जनप्रतिनिधियों व जागरूक नागरिकों की कमेटी बनाएं जो इसका समय समय पर निरीक्षण करें। इससे पहले पूर्व मंत्री जेपी दलाल का जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन कपिल मुद्गिल व एसडीओ प्रविन्द्र सिंह ने स्वागत किया।

बहल कस्बे में आबादी के हिसाब से पेयजल आपूर्ति के लिए जनस्वास्थ्य विभाग ने वृह्द परियोजना तैयार की है। इसके लिए विभाग हरियावास के पास नहर विभाग के पंप हाऊस के समीप अपना पंप हाऊस बनाएगा। जुई डिस्ट्रीब्यूटरी से पानी लेकर उसे पंपिंग कर नई पाइपलाइन बिछाकर बहल के जलघर में पानी पहुंचाएगा। वहीं, मौजूदा जलघर की क्षमता बढाएगा व कस्बे में नई लाइनें बिछाकर घर घर पानी पहुंचाएगा। वहीं, सीवरेज सिस्टम के लिए भोजाण मार्ग पर पंचायत की जमीन में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाएगा और इस प्लांट में सीवेज पहुंचाने के लिए कस्बे में चार स्थानों पर आईपीएस (इंटरमीडिएयट पंपिंग स्टेशन) बनाएगा। इन दोनों परियोजनाओं की 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने तत्कालीन मंत्री जेपी दलाल की मांग पर मंजूरी दी थी।

बहल। आयोजित कार्यक्रम में एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

- बहल में लुवास का केन्द्र, सीवरेज, पेयजल, मॉडल संस्कृति भवन, एचएयू का एक्सिलेंस सेंटर, गरवा का मछली पालन केन्द्र जैसी योजनाएं है जिनके पूरा होने से बहल का नाम पूरे प्रदेश में जाना जाएगा
- बहल कस्बे में आबादी के हिसाब से पेयजल आपूर्ति के लिए जनस्वास्थ्य विभाग ने वृह्द परियोजना तैयार की
- दोनों परियोजनाएं 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने दलाल की मांग पर मंजूरी दी थी

40 मिनट की बरसात में पानी के साथ बहे निकासी के सभी दावे

झील बना तोशाम का बाजार, कहीं डेढ़ तो कहीं दो फुट तक जलभराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

रविवार तोशाम इलाके में जबरदस्त बारिश हुई। करीब 40 मिनट की बारिश ने चहुंओर पानी ही पानी कर दिया। हालात ये बने की तोशाम कस्बे के ढलान वाले इलाकों में कहीं पर डेढ तो कहीं पर दो फुट तक बारिश का पानी जमा हो गया। लोगों को बारिश के पानी से ही होकर गंतव्य तक पहुंचना पड़ा। हालांकि मानसून के आने से पहले प्रशासन ने बारिश के पानी की निकासी के लंबे चौड़े दावे किए थे,लेकिन पौने घंटे की बारिश ने प्रशासनिक दावों को ही बारिश के पानी में डूबो दिया।

ऐसे में कस्बे में जगह जगह बरसाती पानी एकत्रित होने से दुपहिया वाहन चालकों और राहगीरों को तो परेशानी हुई ही वहीं दुकानों में बरसाती पानी घुसने से दुकानदारों को भी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा। दुकानों के आगे रखे लकड़ी के तकत आदि पानी में बह कर ढलान वाली जगहों पर पहुंच गए। दोहपर बाद दुकानदार पानी में घुसकर लकड़ी के तकतों को ढूंढते नजर आए।

उल्लेखनीय है कि रविवार दोपहर करीबन 2 बजे तोशाम कस्बे में अचानक मानसून की पहली बरसात ने दस्तक दी और यह बारिश इतनी तेज थी कि देखते ही देखते करीबन मात्र 40 मिनट की बारिश से ही तोशाम शहर जलमग्न हो गया और कस्बे के राजीव नगर, पुराने बस स्टैंड के साथ वाली गली, गुरुद्वारा वाली गली, पुराना सिविल अस्पताल मार्ग, डाकघर मार्ग आदि सहित अनेक जगह दो से ढाई फीट तक बरसाती पानी एकत्रित होने से तोशाम बाजार झील में तब्दील हो गया। जिससे ग्राम पंचायत तोशाम सहित शासन प्रशासन के बरसाती पानी निकासी के दावों की पोल खुलती नजर आई।

वहीं दुकानों में बरसाती पानी घुसने से दुकानदारों को आर्थिक नुकसान उठाने के साथ साथ अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं भविष्य में होने वाली मानसून की अन्य बरसात को लेकर भी दुकानदार चिंतित नजर आए और उन्होंने कस्बे में बरसाती पानी की निकासी

तोशाम। बारिश के पानी के साथ बह कर आए लकड़ी के तकत और कस्बे में जमा बारिश का पानी का दृश्य।

उमस ने निकाला लोगों का पसीना

आसमान से जमकर पानी बरसा। जिस वक्त बारिश हो रही थी। उस वक्त लोगों को लगा कि अब गर्मी व उमस से छुटकारा मिल जाएगा,लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बारिश थमने के कुछ देर बाद हवा ने अपनी गति पर ब्रेक लिए तो उमस ने लोगों को जकड़ना आरंभ कर दिया। उसके बाद बिजली की सप्लाई भी जवाब दे गए। बार बार बिजली के लग रहे कटों ने लोगों का जीना हराम कर दिया। कभी वे पंखे व कूलर के आगे तो कभी बाहर निकलकर फिर से हाथ से पंखा हिलाने लगते । शाम तक इसी तरह का मौसम रहा। शाम के वक्त धीमी गति से हवा चली तो लोगों को उमस से राहत मिल पाई।

बॉक्सर शशि कांत को लंदन में किया सम्मानित

- विकसित भारत अभियान के साथ तालमेल रखने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

उपमंडल के गांव बरालु निवासी पूर्व अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज एवं उद्यमी शशिकांत बॉक्सर को लंदन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स के चोलमॉन्डली रूम में आयोजित एक प्रतिष्ठित समारोह में भारत की प्रगति में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। विकसित भारत 2047 की दिशा में मार्ग प्रशस्त करना शीर्षक वाले इस आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रेरित विकसित भारत अभियान के साथ तालमेल रखने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

वेटलिफ्टिंग स्पोर्ट्स अकादमी के कोच संदीप कड़वासरा ने बताया कि लॉर्ड रामी रेंजर एफआरएसए और एनआरआई एसोसिएशन, यूके के अंतरराष्ट्रीय सचिव डी.के. त्यागी द्वारा आयोजित इस आयोजन में समावेशी विकास, सतत विकास और 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए वैश्विक सहयोग पर रणनीतियों पर एक पैनल चर्चा शामिल थी।

शशि कांत को न्यायपालिका, शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और उद्योग जैसे विविध क्षेत्रों के प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में शामिल किया गया, जिन्हें भारत के खेल जगत के विकास गति को आगे बढ़ाने में उनके महत्वपूर्ण प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। जेट सर्व एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के मालिक के रूप में शशि कांत ने एविएशन उद्योग में असाधारण नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। शशि कांत ने इस सम्मान पर खुशी जाहिर की है। इस सम्मान के लिए अनेक लोगों ने शांति कांत को बधाई दी है।

पटौदी के मकान में शॉर्ट-सर्किट से लगी आग

तोशाम। पटौदी में रविवार दोपहर एक मकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। पीड़ित महेंद्र जांगड़ा ने बताया कि वह किसी काम से बाहर गए हुए थे। लगभग साढ़े 11 बजे पड़ोसी ने फोन कर बताया कि उनके घर से धुआं उठ रहा है। महेंद्र जब मौके पर पहुंचे तो आग पूरे घर में फैल चुकी थी। फायर ब्रिगेड और ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक घर में रखा कीमती सामान जलकर राख हो चुका था। महेंद्र ने बताया कि वह लकड़ी का काम करते हैं और घर में लकड़ी के फट्टे, 17 क्विंटल गेहूं और अन्य घरेलू सामान भरा हुआ था, जो आग की भेंट चढ़ गया। कड़ियों की छत भी जल गई, जिससे अब परिवार के पास सिर छुपाने के लिए भी जगह नहीं बची। महेंद्र ने प्रशासन से सहायता की मांग की है।

भिवानी। प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ करवाते हुए।

संस्कृत संस्कृति संस्कार ही जीवन का आधार :मिश्र

भिवानी। सुखानंद फाउंडेशन, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के सहयोग से सांस्कृतिक मंच भिवानी द्वारा आयोजित संस्कार संस्कारों के सात्विक स्वरूप पर कार्यशाला का आयोजन सांस्कृतिक सदन भिवानी में आयोजित हुआ । इस कार्यकर्म में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अखिलेश मिश्र अध्यक्ष वेद विभाग महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय कैथल ने भाग लेकर सोलह संस्कार, वेदांग, विशेष रूप से डॉ. मिश्र ने पाणिग्रहण संस्कार व आम जीवन में संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला विस्तृत रूप से बताया, आज के दूसरे व्याख्यान के रूप में धीरज पाराशर ने नामकरण संस्कार पर विस्तृत प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि डॉ. चितरंजन दयाल सिंह कौशल ने कहा कि हमारे पुरातन संस्कारों के पदचिन्हों पर चलने का आह्वान किया, मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर दीप्ति धर्माणी कुलपति सी बी एल यू विश्वविद्यालय भिवानी ने अपने सात्विक अनुभव साझा करते हुए कहा कि शास्त्र को केवल पढ़ना, सुनना मात्र ही ज्ञान नहीं है अपितु उसके बताए हुए सात्विक मार्ग पर चलना ही असली ज्ञान है उन्होंने श्रीमद्भगवत गीता के अंतर्गत आने वाले तम रज और सत्व गुण पर भी प्रकाश डाला, कार्यक्रम में उपस्थित विद्वत जनों को विशेष सानिध्य रूप में बाबा जहर गिरी आश्रम के महंत पीठाधीश्वर डॉ.अशोक गिरी, भागवत भूषण श्री सुरेश कौशिक ने आशीर्वाद दिया। आज के व्याख्यान 'समाज में संस्कारों का स्वरूप एवं महत्व' कार्यक्रम में कार्यक्रम संयोजक जगत नारायण भारद्वाज, संस्कृत व्याकरण के विशिष्ट विद्वत डॉ॰ जयपाल शर्मा, सांस्कृतिक सदन के अध्यक्ष डॉ नीता चावला, मंच के संरक्षक डॉ.धर्मबीर ढिल्लों,डॉ. वी बी दीक्षित, द्वितीय सत्र की मंच संचालिका अनीता नाथ, इंदु शर्मा, शशि परमार, संदीप वधवा, रणविजय , गजराज जोगपाल , बुद्धदेव आर्य आदि उपस्थित रहे।

परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने प्रवचनों से किया निहाल

दुनिया से जाते वक्त हमारे साथ कुछ नहीं जाताः कंवर साहेब

भिवानी। आयोजित सत्संग में प्रवचन देते संत कंवर साहेब। फोटो : हरिभूमि

- साथ जाता है तो केवल प्रभु भक्ति में बिताया आपका समय और परमात्मा का नाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

संतमत गुरु का मत है। गुरु का मत परमात्मा की और ले कर जाता है। जन्म मरण से मुक्ति की और लेकर जाता है। गुरु नाम ज्ञान का है। गुरु दुनियादारी के डर से निकाल कर आपको भक्ति मार्गी बनाकर निर्भय करता है। यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने दिनोद गांव में स्थित राधास्वामी आश्रम में फरमाए।

हुजूर कंवर साहेब ने फरमाया कि इस दुनिया में एक भी वस्तु हमारी नहीं है क्योंकि दुनिया से जाते वक्त एक भी वस्तु हमारे साथ नहीं जाती। साथ जाता है तो केवल प्रभु भक्ति में बिताया आपका समय,परमात्मा का नाम। इस जीवन का कोई भरोसा नहीं है। किसी को नहीं पता कि ये कब और कहां समाप्त हो जाए। इसलिए हमेशा मौत से डरते रहो।यही डर आपको निर्भय बनाएगा। हुजूर महाराज जी ने कहा कि संग्रह करो तो सुकर्मो का करो,गुरु भक्ति का। करो, परमात्मा की इबादत का करो।

उन्होंने कहा कि अपने सामर्थ्य को पहचानो। भक्ति, परोपकार और परमार्थ हमारे सामर्थ्य की पहुंच में हैं फिर हम इसको क्यों नहीं कमाते। इंसान सत्य से दूर होता जा रहा है क्योंकि पूर्ण सतगुरु को नहीं खोज पा रहा। किसी सच्चे संत की खोज करके उनकी शरणाई लो।उनकी रजा और मौज में रहो। जब हमें ऐसे महापुरुष की शरण मिल जाती है तब हमारा मन भी अंकुश में आता है। गुरु महाराज जी ने कहा कि गुरु की मौज में रहने वालो को कभी कोई कष्ट नहीं उठाना पड़ता। मनमुखता नुकसान देती है और गुरुमुख्ता कल्याण करती है।

हुजूर कंवर साहेब ने फरमाया कि आज धर्म की दुकानें खुली हुई है। जो खुद डूबा हुआ है वो आपको डूबने से कैसे बचा सकता है। कोई अंधा आपको कैसे मार्ग सुझा सकता है।डिंभी पाखंडियों से बचो। सत्य मार्ग की खोज करो।एक इंसान जो चाहे कर सकता हैं बशर्ते उसका चरित्र ऊंचा हो,मानसिक बलवान हो,परोपकारी सच्चा और सद्गुणी हो। जब मन सच्चा होगा तो सबकुछ अच्छा होगा।

गतांक से आगे...

अभी तक आपने पढ़ा कि नवब्याहता दीप्ति मायके आई है तो सोच में डूबी, अपने में गुमसुम रहती है। ससुराल में पन्द्रह दिन रहकर ही वो जान गई कि वहाँ अभी बरसों-बरस तक उसकी स्थिति ऐसी रहने वाली है कि सभी की सेवा भी करनी है और सभी की डाँट भी खानी है। रहने-खाने के सहारे के बदले अपना सर्वस्व ससुराल वालों के चरणों में रखकर न चलेगी तो निभ न सकेगी।

अब आगे...

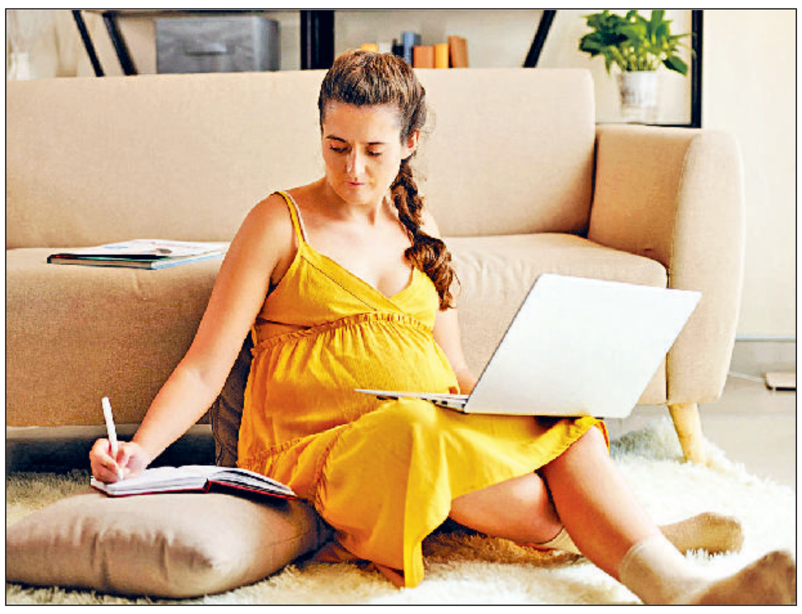

कहानी

इंदिरा दाँगी

भाग्य विधाता

नवजात रोती है और माँ लिखना रोककर उसे स्तनपान कराती है। सद्य प्रसूता माँ फिर पेपर लिखने लगी है। अब हिम्मत टूट रही है; माँ बीच-बीच में अपनी बेटी की ओर देखती जाती है। सहायिका दीदी की गोद में वो सो रही है। अंतिम उत्तर दीप्ति पूरे कर रही है। परीक्षक कह रही हैं कि वह कॉपी दे दे, समय पूरा हो रहा है। वो उत्तर लिख रही है। उसे अब नींद आ रही है।

अ दीप्ति ससुराल जाती ट्रेन में बैठी हज़ारों बातें सोचती है, मेरा भी उतना ही अधिकार है पापा की संपत्ति पर, जितना दोनों भाइयों का है लेकिन अम्मा दो-पांच हज़ार की विदाई देते कैसा मुँह बनाती हैं ! भाभियों की कौन कहे, वे पराए घर से आई हैं, जब जन्म देने वाली माँ ही पराया मानती है।"

सोचती जाती है और आँसू बहते जाते हैं। पति ने टोका,"ट्रेन में मत रोओ। सब देख रहे हैं। अच्छा, बताओ, विदाई कितने की मिली है ?"

शादी को एक साल हो चला। इस बीच एक बड़ा झगड़ा हुआ। सास वेणी एक शादी-समारोह में गई थी जहाँ बहू की बड़ी भाभी सुरेखा से भेंट हो गई। बातों-बातों में वेणी बोली,

"कानों में तो बड़े सुंदर झाले पहने हैं सुरेखा तुमने! पुराना सोना जान पड़ता है।"

"हाँ ! ये मेरी मम्मी ने दिए थे।"

"बहुओं से भर-भर के दहेज लिया और बेटी को देते अंटी न खुली !"

"ऐसा क्यों कहती हैं आंटी जी ? क्या कमी रखी है हमने? क्या नहीं दिया जो अब तक माँगती हैं ?"

सुरेखा की बात सुन वेणी तिलमिला उठी।

"हम ही क्यों बनवाएं उसके लिए जब मायके वाले इतना भी न दे सके ? अपनी बेटियों को मैंने दो-दो जोड़ी बुँदे, झुमकियाँ बनवा कर दी थीं !"

"क्या बात करती हैं? तोला भर सोने की झुमकियाँ बनवा कर दी थीं हमने विदाई में। दीप्ति दीदी ने बताया नहीं आपको ?"

"तोले भर सोने की झुमकियाँ ?"

सास के गुस्से का कोई पारा न रहा। घर आकर इतनी ऊँची आवाज में कलह किया कि पड़ोसी अपने-अपने फ्लैट्स के दरवाज़े खोलकर बाहर आ गए। ससुर रोकते जाते थे, बेटा रोकता जाता था लेकिन सास की आवाज़ आसमान तक बुलन्ध थी। लेकिन बहू एक चुप, हजार चुप !

'योगेश, अब या तो तेरी बहू उन तोले भर सोने की झुमकियों का हिसाब दे या निकल जाए इस घर से !"

"बताती क्यों नहीं, कहाँ हैं झुमकियाँ?" जब पति ही मारने को आगे बढ़ा तो दीप्ति ने मरी-मरी सी आवाज में कहा,

"खो गईं।"

"खो गईं ? तोले भर सोने की झुमकियाँ खो गईं? कैसे खो गईं ? क्या अपने पापा को दे आईं?"

योगेश मारता उसे अगर बीच में ससुर न आ गए होते। सास का गुस्सा महीनों शांत न हुआ। ननदें फोन करतीं तो वो बहू को सुना-सुना कर हज़ार बातें सुना देती उसके मायके वालों को।

दीप्ति से खूब काम लिया जाता। घर के कामों से फारिग होती तो बाहर के कामों की सूची तैयार रहती। जब से शादी हुई, घर में योगेश ने इधर की सींक उठाकर उधर न रखी थी। दीप्ति ही बाजार, सौदा-सुलफ सब करती। कभी पलंबर को बुलाती, कभी कबाड़ी को रद्दी तुलाती।

लेकिन इस सब के बीच, उसके मन में पढ़ाई की लगन लगी रहती। सास वेणी देखती और कुढ़ती। एक रात सास की नींद खुली तो देखा ड्राइंग रूम की बत्ती जल रही है। रात के ग्यारह बजे थे। बहू हॉल में दीवान पर बैठी कुछ लिख रही थी।

"अरे ! अब तक जागती हो ? सवेरे फिर योगेश का टिफिन बनाने में आलस करोगी। जाओ सो जाओ।"

"नहीं। मैं बना दूँगी सब समय पर।"

"लाइट बंद करो और जाओ। इधर की बत्ती जलती है तो मुझे अपने कमरे में नींद नहीं आती।"

"लेकिन, मैं तो हमेशा यहीं पढ़ती हूँ; अभी तक तो आपने कभी नहीं कहा ऐसा !"

"तो अब कह रही हूँ, ये बत्ती न जलाया करो।"

"तो रात को मैं कहाँ पढ़ूँ ? कमरे में टेबल लैम्प से भी इनकी नींद में खलल पड़ता है।"

बहू अपने आप से कहती चली गई और रसोई में बत्ती जलाकर फिर लिखने लगी। उस दिन से दीप्ति ने हॉल या रसोई में पढ़ना बंद कर दिया। फ्लैट में हॉल के अलावा दो ही तो कमरे थे। अब कहाँ पढ़े ? वो रात को बाथरूम में बैठकर नोट्स बनाती; और दिन में किताब खोले घर के कामकाज के बीच कुछ-कुछ याद करती रहती। कभी कलाई पर, कभी हथेली पर, कुछ उतार लेती और मन में दोहराया करती। बी.एड. के साथ-ही-साथ वो शिक्षक पात्रता परीक्षा की भी तैयारी कर रही है। सोचती, बी.एड. कर लेगी और अगले ही साल शिक्षक पात्रता परीक्षा भी पास कर लेगी तो सरकारी शिक्षक की नौकरी करने के योग्य हो जाएगी। छह महीने बाद,तीसरे सेमिस्टर की परीक्षा का रिजल्ट आया जिसमें दीप्ति ने अपने कॉलेज में दूसरा स्थान प्राप्त किया। गर्भवती हो गई थी तो भी स्कूटी चलाकर कॉलेज जाती रहती। गर्भावस्था के पूरे दिन चल रहे हैं; और बी.एड. अंतिम वर्ष के फाइनल सेमिस्टर की परीक्षाएं भी। हर दिन मनाती है, बस परीक्षा पूरी हो जाए तब डिलीवरी हो ! लेकिन ...जो भाग्य बदलने निकलते हैं, उन्हें सबसे पहले अपनेआप से लड़ना पड़ता है !

रात से हल्का-हल्का दर्द हो रहा था लेकिन वो सब कामकाज करती रही और साथ में किताब भी खोले रही। कल तीन बजे उसका आखिरी पर्चा है। लेकिन सुबह होते-न-होते दर्द की लहर काबू से बाहर हो गई। सास के साथ ऑटो से वो सरकारी अस्पताल पहुंची और आधे ही घंटे में उसकी डिलीवरी हो गई।

आगे एक घंटा तो दिमाग कुछ न जानता था। तंद्रा-सी थी। बस अपनी बेटी को सीने से चिपटाए आँखें बंद किए पड़ी रही। घंटे भर बाद, उसकी आँखें आधी खुलीं। सामने दीवार घड़ी दोपहर के बारह बजा रही है।

"मेरा पेपर है तीन बजे !"

"अब काये का पेपर ? अब इस लड़की को सम्हालो ! मैं घर जा रही हूँ; गुड़ बनाकर लाती हूँ। घर का खाना भी बनाना है। रात तक आ जाऊँगी या योगेश आ जाएगा सोने यहाँ। कल अपने मायके से बुला लो किसी को। अकेले मुझसे नहीं करते बनेगा सब।"और सास फोन लगाती हुई बाहर निकल गई।

"हाँ चंचल ! तुम बुआ बन गयीं! और क्या होना था! मैं तो पहले ही कहती थी, लड़की ही जनेगी!"

जाती हुई सास की बात दीप्ति के कानों में पड़ती है। वो सुनी-अनसुनी कर देती है। पति योगेश को किसी ने बताया है अथवा नहीं, दीप्ति को नहीं पता। उसने बेटी को निहारा, फिर घड़ी देखी।

-परीक्षा देनी है !

प्रसूता पुकारती है, "कोई है?"

कोई नहीं सुनता। उसने फिर अपनी ताकत जुटाकर पुकारा है, "कोई मदद कर दो !"

भाग्य द्वार तक आया, लेकिन भीतर नहीं। एक नर्स झाँककर पूछती है, "क्या बात है ? तुम्हारे साथ कोई नहीं? क्या कुछ खाने को चाहिए?"

"मेरा बी.एड. का पेपर है तीन बजे से। क्या गाड़ी मिल जायेगी एग्जाम सेंटर तक जाने के लिए ?"

नर्स अवाक उसे देखती रह गई। हज़ारों जचगी इस अस्पताल में देखीं-करवाईं, ऐसी जनानी नहीं देखी !

वो निवेदन दोहराती है; नर्स क्या कहे !

"मैडम से पूछकर बताती हूँ।"

और नर्स डॉक्टर के सामने है।

"बिल्कुल नहीं! अभी घंटे भर पहले ही डिलेवरी हुई है। अब 24 घंटे तो बिस्तर से उठने की अनुमति नहीं दे सकते !"

नई डॉक्टर अपने कागज़ों में उलझी, उत्तर देकर इस बात को भूल जाती लेकिन ... कोई है जो लड़ रहा है भाग्य से ! ... भाग्य विधाता से !

"मैडम जी प्लीज !" सामने एक अधमरी-सी आवाज़ है।

डॉक्टर नज़र उठाकर देखती है।

"मेरा पेपर है बी.एड. का। फिर नहीं कर पाऊँगी। न फिर फीस भर पाऊँगी। प्लीज मुझे एग्जाम सेंटर तक पहुँचा दीजिए।"

दरवाज़े से टिकी सद्य प्रसूता अपनी नवजात को लिए किसी तरह खड़ी है। या तो वो खुद ही गिर जाने वाली है या उसकी गोद से नवजात खिसकी जाती है।

उसकी गंभीर हालत देख डॉक्टर चिल्लाती है, "तुम पागल हो क्या!"

जच्चा-बच्चा को वापस बेड तक पहुँचाया गया। बड़े डॉक्टर साहब से बात की गई। गाड़ी तो अस्पताल में कोई मौजूद थी नहीं। एक गाड़ी बाहर गई हुई है। समय रहते लौट आई तो कुछ हो सकता है। नई डॉक्टर मदद के लिए दूसरे अस्पताल फोन लगा रही है। गाड़ी की व्यवस्था होते-होते दो घंटे निकल गए। अस्पताल से एग्जाम सेंटर 35 किलोमीटर दूर है। गाड़ी में जच्चा-बच्चा को लिटाया गया और नर्स क्योंकि वैसे ही स्टाफ में कम हैं, वर्क लोड बहुत ज़्यादा। एक सफाईकर्मी दीदी को साथ कर दिया गया। वे चलीं तो नई डॉक्टर पीछे से देखती, अपने मित्र ट्रेनी डॉक्टर को फोन करती कहती है, "अभी पता है क्या हुआ ?"

... किसी की मदद कर, वो इस पल अपनी ही नज़रों में हीरो है !

एग्जाम सेंटर तक वे पहुँची हैं और सहायिका दीदी को नवजात दे, किसी तरह दीप्ति एग्जाम सेंटर के अंदर तक पहुँचती है। परीक्षा चालू हो चुकी है। सैकड़ों परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। उसे देख चलते पेन रुक-रुक जा रहे हैं।

"सर! मैडम ! मेरे पास प्रवेश पत्र नहीं है लेकिन मुझे अपना रोल नंबर याद है। और आप तो मेरे पिछले पेपर में भी ड्यूटी पर थीं। प्लीज मुझे पेपर देने दीजिए। क्या मैं बहुत लेट हो गई हूँ ?"

वो पन्द्रह मिनट लेट हो चुकी है लेकिन उसे परीक्षा हॉल में प्रवेश करने दिया गया। उत्तर पुस्तिका और प्रश्न पत्र दिया गया। वो खड़े-खड़े ही किसी तरह उत्तर पुस्तिका पर लिखना शुरू करती है।

"बैठ कर लिख लो।" परीक्षक मैडम उससे कहती हैं।

"बैठ नहीं पाऊँगी। चार घंटे पहले डिलीवरी हुई है।"

"तो क्यों आईं परीक्षा देने ऐसे हाल में ? अपनी और इसकी जान को खतरे में डाल कर ?"

"जेवर बेचकर फीस भरी थी; छूट जाती पढ़ाई तो फिर नहीं कर पाती।"

परीक्षक उसे दो पल को देखती रहीं फिर केंद्र अध्यक्ष के कक्ष की ओर तेज़ कदमों से चली गईं। केंद्र अध्यक्ष ने सुना तो सन्नाटे में आ गए। कोई नरम बिस्तर या आरामदायक खटिया तो नहीं थी लेकिन एक तख्त का इंतजाम कर दिया गया, एक खाली पड़े कक्ष में।

आधे घंटे बाद, अपनी उत्तर पुस्तिका, प्रश्न पत्र, सहायिका और नवजात के साथ सद्य प्रसूता को उस कक्ष में तख्त तक पहुंचा दिया गया।

कोई तकिया नहीं। एक परीक्षक ने अपना पर्स दे दिया है जिसे सिरहाने लगाए, सद्य प्रसूता उत्तर पुस्तिका लिखने में लीन है। बीच-बीच में एग्जाम सेंटर के अन्य परीक्षक आ–आकर उसे देख जा रहे हैं। चार घंटे की डिलीवरी में एक परीक्षार्थी पेपर देने आई है !

बीच में, नवजात रोती है और माँ लिखना रोककर उसे स्तनपान कराती है। सद्य प्रसूता माँ फिर पेपर लिखने लगी है। अब हिम्मत टूट रही है; माँ बीच-बीच में अपनी बेटी की ओर देखती जाती है। सहायिका दीदी की गोद में वो सो रही है। अंतिम-अंतिम उत्तर दीप्ति पूरे कर रही है। परीक्षक कह रही हैं कि वह कॉपी दे दे, समय पूरा हो रहा है। वो उत्तर लिख रही है। उसे अब नींद आ रही है। (समाप्त)

लघुकथा

विकास यशकीर्ति

पांचवां बेटा

दौलत राम। तुम्हारे चार चार बेटे होते हुए भी आज ये नौबत आ गई कि तुम्हें अपना पुश्तैनी मकान गिरवी रखना पड़ रहा है।' सेठ हजारी प्रसाद दौलत राम के सामने प्रेनोट रखते हुए बोला। 'और सुना है - परदेस में अच्छा कमा रहे हैं।' चश्मे को नाक की नोंक पर रखकर हज़ारी प्रसाद ने दौलत राम को नंगी आंखों से घूरते हुए अपना व्यंग्य बाण चलाया।

'क्या करें, सेठ जी। सब के अपने अपने खर्चे हैं, अपनी अपनी जिम्मेवारियां हैं।' जग हंसाई से बचने के लिए अपने नालायक बेटों की छोटी-मोटी वकालत दौलतराम खुद ही कर लिया करता था। दौलत राम ने प्रनोट पर साइन करने के लिए जैसे ही पेन उठाया, उसके फोन पर एक मैसेज चमका ' रुपे फाइव लैक्स इन यूअर अकाउंट' दौलत राम फ़ोन में आए इस मैसेज की गहराई को परत दर परत खोलने लगा। तभी एक टेक्स्ट मैसेज और फ्लैश हुआ।

' क्या सिर्फ कहने के लिए बेटा कहते थे, पापा ?'

इस बार दौलतराम ने देखा, मैसेज नेहा बिटिया का था जिसके दो साल पहले उसने हाथ पीले कर दिए थे। दौलतराम हैरानी के साथ फोन को निःशब्द होकर देखता रहा। 'किसका मैसेज है दौलत राम ?' हजारी प्रसाद ने दौलत राम की तंद्रा भंग की। दौलत राम की आंखों में नमी थी। 'कौन है ? ' सेठ फिर चिल्लाया। 'पांचवा बेटा' सिर्फ ये दो शब्द बोलकर दौलतराम कांपता हुआ उठा और प्रनोट वापस हजारीप्रसाद को देकर आंखे पौंछता हुआ बाहर चला गया।

कविता

पं. कमल कांत भारद्वाज

ज़माने की कशमकश

मुझे लगता है ज़माने की कशमकश में
मैं अकेला तो नहीं हूँ
इस कशमकश में कल कोई और था
आने वाले कल में कोई और होगा
ज़माने की कशमकश में
मै अकेला तो नहीं हूँ

जो दिखता है ख़ुश ज़िंदगी में
क्या पता, वो भी परेशान हो जिंदगी में
मुझे मेरे ही ग़म लगते हैं ज्यादा
क्या पता, नहीं दिख रहे
उसके ग़म हो मुझसे भी ज्यादा

दर-ब-दर भटकता रहा मैं
हर एक कदम पे ख़ुद से लड़ता रहा मैं
एक नई उम्मीद की तलाश में
अपनों से दूर चला गया मैं
ज़माने की इस काशमकश में

जीवन है ही संघर्षों का मेला
सब लगे हैं जिंदगी की कशमकश में
आज मैं हूँ, कल तुम
फिर कोई और होगा
ज़माने की इस कशमकश में
मुझे लगता है मैं अकेला तो नहीं हूँ
जमाने की इस कशमकश में

कविता

प्रज्ञा गांधी

वो लड़की

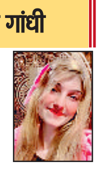

परियों जैसी है वो लड़की
भोली और शैतान बड़ी
समझदार भी है कितनी
और कितनी नादान भी
उसकी आंखें देखी मैंने
आंखों से बातें करती है
कितनी प्यारी लगती है
जब हिरण सी चलती है
सुनहरी जुल्फें हैं उसकी
प्यारी प्यारी बातें हैं उसकी
कितनी मासूम है वो
और हजारों उसकी शरारतें हैं
छोटी छोटी बातों पर भी
वो खुश हो जाती है
छोटी छोटी बातों पर ही
आंसू भी वो भरती है
पर, सपने हैं उसके बड़े
आसमां में उड़ना चाहती है
स्वाभिमान के लिए
आत्मसम्मान के लिए
और कुछ कर गुजर जाने के लिए
जिद बड़ी है उसकी
बाती बनकर जलने की
रोशनी फैलाने की
परियों जैसी वो लड़की
भोली और शैतान भी

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक नीरु मित्तल का मानना है कि आज के आधुनिक युग में भी साहित्य गतिशील है और गद्य हो या पद्य, दोनों विधाओं में ही नवीन शैलियों का विकास हो रहा है। लघुकथा, लघुकविता, नवगीत जैसी विधाएं अपने उत्कर्ष की ओर अग्रसर हैं। छायावाद से आगे हम प्रयोगवाद पर आ गए हैं। साहित्य पर सामाजिक, राजनीतिक चेतनाओं का गहरा प्रभाव पड़ा है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य और समाज एक-दूसरे के बिना अधूरे: डॉ. नीरू मित्तल

सा हित्य के क्षेत्र में कविता, गजल, कहानी, व्यंग्य, लघुकथा, लेख निबंध, समीक्षा जैसी विधाओं का मानवीय एवं सामाजिक सरोकार के लिए काफी महत्व है। इन्हीं मूल्यों को लेकर साहित्यकार एवं लेखक साहित्य सृजन करने में जुटे हैं, जिसमें लेखकों का मकसद समाज को नई दिशा और सकारात्मक विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए अपनी संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं जुड़े रहने का संदेश देना है। लेखिका एवं साहित्यकार डॉ. नीरू मित्तल अपनी ऐसी ही लेखन विधाओं के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति के संवर्धन एवं सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य साधना करती आ रही हैं। अपने साहित्यिक सफर को लेकर डॉ. नीरू मित्तल 'नीर' ने कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया, जिसमें समाज और साहित्य एक दूसरे के बिना जीवंत नहीं रह सकते।

वरिष्ठ महिला साहित्यकार डॉ. नीरू मित्तल का जन्म 26 जून 1958 को अजमेर (राजस्थान) में हरिश चन्द्र गुप्ता और दम्यंती देवी गुप्ता के घर में हुआ। परिवार में कोई भी साहित्य माहौल नहीं था लेकिन उन्हें बचपन में ही तुकबंदियां करते हुए कुछ न कुछ लिखने में अभिरुचि हुई। स्कूल में भी वे कविताएं सुनाती और उनकी लिखी कविताएं स्कूल और कॉलेज की मैगजीन में प्रकाशित होने लगी, तो उनके पिताजी ने बहुत प्रोत्साहित करना शुरु कर दिया। उनके लेखन की शुरुआत कविताओं से हुई, लेकिन वह जल्द ही कहानियां भी लिखने लगी। जब वह कॉलेज में पढ़ रही थी, तो उनकी रचनाएं आकाशवाणी पर प्रसारित होने लगी और पिता अजमेर से रिकार्डिंग के लिए आकाशवाणी केंद्र जयपुर ले जाते थे। बकौल डॉ. नीरू मित्तल, साल 1981 में उनकी जयपुर में बैंक ऑफ बडौदा में नौकरी लग गई। इसके बाद साल 1984 में उनका विवाह हरियाणा के पंचकूला में हुआ। इस वजह से उन्होंने अपना स्थानांतरण पंचकूला की बैंक शाखा में करा लिया और यहीं से वह सेवानिवृत्त हुई। हालांकि शादी के बाद वह अपनी बैंकिंग की नौकरी, परिवार और बच्चों में अत्यधिक व्यस्त हो गई और लेखन बहुत सीमित रह गया। लेकिन इस दौरान भी वह नराकास के कार्यक्रमों में भाग लेती रही और पुरस्कार जीतती रही। बच्चे जब कॉलेज में चले गए और उन्हें कुछ समय मिलने लगा तो साहित्य के प्रति लगाव पुनः जागृत हो गया और उन्होंने हरियाणवी संस्कृति के संवर्धन एवं सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य सृजन को नई दिशा दी। उनकी रचनाओं का फोकस मुख्य रूप से समाज में व्याप्त विडंबनाओं, कुंठाओं बेबसी, आक्रोश, अनेक विषमताएं और लोगों की जिजीविषा जैसे सामाजिक सरोकार के मुद्दे और समस्याओं पर रहा है, इन्हीं पर उनकी कलम सक्रिय रही, जिसमें नारी विमर्श भी उनके लेखन में स्वतः ही झांकने लगा। बकौल नीरु मित्तल, साहित्य के अलावा उन्हें गायन और नृत्य का भी शौक रहा है। वह अपने हम उम्र साथियों के लिए नृत्य कोरियोग्राफ भी करती हैं। जहां वे कहानी, लघुकथा, लेख निबंध, कविता, साक्षात्कार, समीक्षा, व्यंग्य, यात्रा संस्मरण, समीक्षा और साक्षात्कार ज जैसी विधाओं में साहित्य संवर्धन करने में जुटी हैं, वहीं वह योगा शिक्षिका भी रही और सामाजिक गतिविधियों में भी वे बढ़ चढ़कर हिस्सा लेती हैं। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित कवि सम्मेलनों में काव्य पाठ भी किये हैं।

उन्हें देश के वरिष्ठ साहित्यकारों व रचनाकारों का सानिध्य मिला है। उनकी रचनाएं देश ही नहीं विदेश के पत्र-पत्रिकाओं में भी प्रकाशित होती रही हैं। चंडीगढ़ दूरदर्शन केंद्र और आकाशवाणी केंद्र जयपुर से समय-समय पर उनकी कविताओं व रचनाओं का प्रसारण तो हो ही रहा है, वहीं रेडियो 'अपना विनीपेग' कनाडा और 'जस टीवी' कनाडा पर भी उनके साहित्यिक काव्य पाठ कार्यक्रम और साक्षात्कार प्रस्तुत हुए हैं। कई विदेशी मंचों जैसे 'रूट्स टू हिंदी काव्यांजलि' शिकागो, 'निर्मल रोशन मंच' न्यूयॉर्क, 'महिला काव्य मंच' इंडोनेशिया पर भी वे अपनी कविताएं प्रस्तुत कर चुकी हैं। यहाँ वह यह बात अवश्य कहना चाहती हैं कि विदेश में बैठे भारतीय अपनी संस्कृति, अपनी भाषा और अपने देश से कहीं गहराई से जुड़े हुए हैं। वह उनकी निष्ठा और समर्पण को नमन करती हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डॉ. नीरू मित्तल की प्रकाशित पुस्तकों में काव्य संग्रह-अनकहे शब्द, शब्दों की परछाइयाँ, चट्टान पर खिले फूल, पंचतत्त्व और मैं, कहानी संग्रह-रिश्तों की डोर, कोहरे से झाँकती धूप, लघुकथा संग्रह-तिनका तिनका मन, प्रतिबिम्बों की अनंत यात्रा, बाल साहित्य-मेरे वर्णमाला गीत, छू लो आसमान प्रमुख रूप से पाठकों के सामने हैं। उन्होंने खुशियाँ लौटेंगी, सुनहरी यादों के झरोखों से नामक पुस्तकों का संपादन भी किया। वहीं पंजाबी रचनाओं का अन्य भाषाओं में अनुवाद भी किया है।

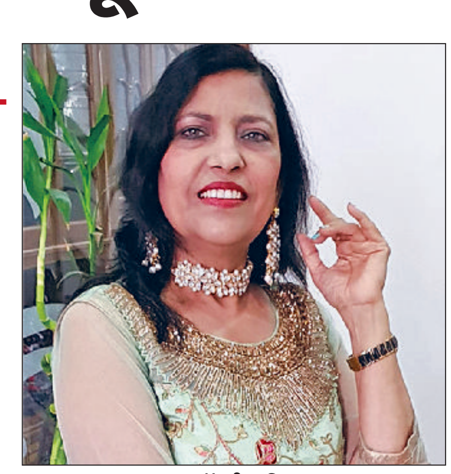

डॉ. नीरू मित्तल

पुरस्कार व सम्मान

लेखिका डॉ. नीरू मित्तल को हरियाणा साहित्य गौरव सम्मान, बाल सहित्य सम्मान, डॉ कैलाश अहलूवालिया स्मृति सम्मान पुरस्कार, डॉ. श्यामसुंदर व्यास स्मृति सम्मान, काव्य मंजरी वागीश्वरी सम्मान, काव्य मंजरी वागीश्वरी सम्मान, काव्य शिरोमणि सम्मान, स्मृति साहित्य सम्मान, संस्कृति संवाहक पुरस्कार, शब्द निष्ठा सम्मान, लघुकथा सेवी सम्मान, साहित्य सारथी सम्मान और मां भारती साहित्य के सम्मान जैसे अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. नीरू मित्तल 'नीर'
जन्मतिथि : 26 जून 1958
जन्म स्थान : अजमेर(राजस्थान)
वर्तमान निवास : पंचकूला (हरियाणा)
शिक्षा : एम. कॉम, सी.ए.आई.आई.बी
संप्रति : बैंकिंग सेवा से निवृत, साहित्यकार, कथाकार, कवयित्री, योग शिक्षिका

सामाजिक उपयोगिता का कविता संग्रह 'मैं पेड़ हूँ'

पुस्तक : मैं पेड़ हूं
लेखिका : अर्चना कोचर
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : इंडिया नेट बुक, नोएडा

पुस्तक समीक्षा

डॉ. ज्ञानप्रकाश 'पीयूष'

सा हित्य लेखन एवं समाज सेवा में संलग्न, अनेक साहित्यिक संस्थाओं से सम्मानित, सुप्रतिष्ठित साहित्यकार अर्चना कोचर किसी परिचय की मोहताज नहीं।

' मैं पेड़ हूँ' लघुकविता-संग्रह इनकी सद्य प्रकाशित पुस्तक है, जो भाव सौंदर्य एवं शिल्प सौष्ठव की दृष्टि से बहुत प्रभावशाली है। यह पुस्तक विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों को आधार बनाकर दस-दस पंक्तियों के मुक्त छंद में सृजित की गई हैं तथा उनके औषधीय गुणों, सामाजिक उपयोगिता एवं पौराणिक उपादेयता को दृष्टिगत रखते हुए प्रांजल भाषा में व्यंजित की गई हैं। रुद्राक्ष, पीपल,कदम्ब, अशोक बरगद, अक्षय वट के साथ चंदन, देवदार, चीड़,नीम, सागवान,पलाश, अमलतास गुलमोहर, शीशम, सफेदा, बबूल, आदि छायादार एवं सहजता से उपलब्ध पेड़ों के महत्व को भी प्रतिपादित किया गया है तथा आँवला, आम अनार,अमरुद, सेब,जामुन, नारियल, अंजीर,सुपारी, जायफल, नींबू, केला, बादाम, अखरोट, काजू ,खुबानी, पिस्ता, चिलगोजा, आलू बुखारा, आदि फलदार वृक्षों पर भी सारगर्भित लघुकविताओं का सृजन किया गया है जो अत्यंत श्लाघनीय है। ये कवयित्री के अद्भुत रचना कौशल, साहस, परिश्रम एवं जुनून को प्रतिपादित करता है। इनके अतिरिक्त मखाना, पान बनारस वाला, आल स्पाइस,केसर, तुलसी,आक, शमी, सप्तपर्णी, लता मंजरी जैसे अनेक पेड़-पौधों को भी कलमबद्ध किया गया है जो कवयित्री की आन्तरिक प्रतिभा,अध्यवसाय, एवं सृजन क्षमता को रेखांकित करती हैं। 'नारियल का पेड़' लघु कविता एक बिम्बात्मक चित्र द्रष्टव्य है- खाने को फल, तंदुरुस्ती के लिए पानी/ दूध-मलाई की, कल्पवृक्ष ने लिखी कहानी/ सुख समृद्धि में, श्री हरि विष्णु, लक्ष्मी का कृपानिधानी/ त्रिदेव के त्रिनयन, श्रीफल की इष्ट अर्पण बानी है/ पवित्र कलश में विराजित/ मंगल कार्यों में श्रीगणेश/ हवन की पूर्णाहुति, नवरात्र, कन्या पूजन में विशेष/ जन्म पूजन में नारियल, कफन में चढ़ता यह विनेश है /नारियल का तेल केश निखार/त्वचा की मसाज है/ ताड़- शराब, कठोर खोल,चारकोल/ इसका अंग-अंग कीमती/ लोगों का इलाज है। इसकी भाषा अत्यंत सरल एवं शैली सरस व सारगर्भित है। यह कृति हर दृष्टि से उपादेय है और अर्चना कोचर की सकारात्मक सोच एवं आशावादी दृष्टिकोण की परिचायक है। उत्कृष्ट कृति के लिए कवयित्री को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

51 पौधे रोपित कर आयुर्वेद चिकित्सक को छठी पुण्यतिथि पर किया नमन

जगदीश शर्मा के पुत्रों ने गोशाला में गुड़ व हरे चारा की सवामणी लगाकर गोवंश की सेवा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

आयुर्वेद चिकित्सक जगदीश शर्मा पथरवाली को रविवार को उनकी छठी पुण्यतिथि पर नमन किया और उनकी याद में 51 पौधें रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उनके पुत्र आचार्य सुरेश शास्त्री और सुनील शास्त्री ने अपने पिता की स्मृति में गांव पथरवाली में 51 पौधों का रोपण किया तथा जुई स्थित गोशाला में गोवंश के लिए गुड़ व हरा चारा की सवामणी लगाकर गौवंश की सेवा की। आचार्य सुरेश शास्त्री और सुनील शास्त्री ने कहा कि उनके पिता डॉ. जगदीश शर्मा एक समर्पित आयुर्वेद चिकित्सक थे, उनका जीवन हमेशा जनसेवा के भाव से ओत-प्रोत रहा।

उन्होंने अपना पूरा जीवन लोगों की सेवा और उन्हें स्वस्थ रखने में समर्पित कर दिया। उनके पिता का मानना था कि प्रकृति और जीव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है, और इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने आज पौधरोपण और गौसेवा का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि परिजनों की स्मृति में पौधरोपण और गोसेवा करना केवल एक कर्मकांड नहीं, बल्कि सकारात्मक, सतत और समाजोपयोगी श्रद्धांजलि है। ये कार्य दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करते हैं, वहीं जीवितों के लिए भी प्रेरणा और पुण्य का मार्ग प्रशस्त करते हैं। कार्यक्रम में स्थानीय लोग और परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे, जिन्होंने डॉ. जगदीश शर्मा पथरवाली के योगदान को याद किया और उनकी जनसेवा की भावना को सराहा। इस मौके पर राजेश शर्मा, अशोक शर्मा, सतीश शर्मा, मोहित, चेतन, काव्यांश, वंशिका, जितेंद्र, राकेश, दुष्यंत, कृष्ण व नरेश आदि मौजूद रहे।

भिवानी। पौधरोपण करते आचार्य सुरेश शास्त्री व सुनील शास्त्री। फोटो :हरिभूमि

बवानीखेड़ा। मंदिर परिसर में पौधारोपित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस की छात्रा ने लगाए 11

बवानीखेड़ा। ग्राम विकास मंडल मिलकपुर के साप्ताहिक श्रमदान कार्यक्रम के अंतर्गत मंदिर के पास स्थित गली में सफाई अभियान चलाया गया। साथ ही गांव के बस स्टैंड के पास कोषाध्यक्ष स्वर्गीय ज्ञानचंद की स्मृति में समर्पित पार्क में खरपतवार हटाकर सफाई की गई। इस अवसर को विशेष बना दिया आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस, मिलकपुर की छात्रा परी ने, जिसने स्कूल मैनेजमेंट की प्रेरणा और मार्गदर्शन से अपने 11वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में ग्राम विकास मंडल के सदस्यों के साथ मिलकर 11 पौधे लगाए। परी जो बैंक मैनेजर अनिल कुमार की पुत्री हैं, ने पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए यह प्रेरणादायक कदम उठाया ग्राम विकास मंडल के सभी सदस्य इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे और परी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मंडल ने परी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उसके अभिभावकों द्वारा की गई इस पहल का स्वागत किया और इसे समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत बताया।

एएसआई ने बच्चों संग किया पौधरोपण पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

■ स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने को पौधरोपण जरूरी : नेहरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा की धर्मपत्नी एएसआई कांता नेहरा ने रविवार को दादरी पुलिस लाइन में स्कूली बच्चों के साथ मिलकर पौधरोपण अभियान चलाया। उन्होंने बच्चों को पर्यावरण के महत्व से अवगत करवाया और उन्हें इसकी सुरक्षा के लिए प्रेरित किया। एएसआई कांता ने बच्चों के साथ मिलकर विभिन्न प्रकार के पौधें लगाए और उन्हें पौधों की देखभाल तथा महत्व के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं, वे हमें ऑक्सीजन देते हैं, पर्यावरण को शुद्ध रखते हैं और अनेक जीव-जंतुओं का घर होते हैं। हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करना है, और इसके लिए पौधरोपण सबसे महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनकी देखभाल करें। उन्होंने बच्चों को पर्यावरण प्रहरी बनने और अपने दोस्तों व परिवार के सदस्यों को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने का संदेश दिया। इस अवसर पर महिला थाना प्रबंधक उपनिरीक्षक सोनिया, उपनिरीक्षक ज्ञान, सहायक उपनिरीक्षक रेनू, सहायक उपनिरीक्षक अनूप, सहायक विवेक, सुरेंद्र दांगी, रेखा एवं अन्य पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे।

भिवानी। पौधरोपण करते पुलिसकर्मी। फोटो :हरिभूमि

युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट ने देवशयनी एकादशी पर लगाए पौधे

■ चार्तुमास की साधना के साथ-साथ पौधों के रोपण एवं संरक्षण का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट देवशयनी एकादशी पर रविवार को बालयोगी महंत चरणदास महाराज के सान्निध्य में हनुमान जोहड़ी मंदिर परिसर में 51 पौधों का रोपण किया।

ट्रस्ट के सदस्यों व श्रद्धालुओं ने चार्तुमास की साधना के साथ-साथ इन पौधों के रोपण और संरक्षण का भी संकल्प लिया।कार्यक्रम का आयोजन बालयोगी महंत चरणदास महाराज के प्रयास एवं वेदप्रकाश आर्य की प्रेरणा से हुआ, जिसमें रेखा शर्मा ने अपने पति स्वर्गीय अनिल शर्मा की स्मृति में 21, पूर्व पार्षद नरेंद्र सर्राफ ने अपने पिता स्वर्गीय प्यारेलाल की स्मृति में 11, श्याम अग्रवाल व सतीश गोयल ने अपनी माता की स्मृति में 11, रामोतार मारवाल ने पंचवटी तथा ऋषिप्रिय ने एक त्रिवेणी रोपित की। महंत चरणदास ने कहा कि देवशयनी एकादशी हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण दिन माना जाता है, जब भगवान विष्णु चार महीने के लिए योगनिद्रा में चले जाते है और इसी के साथ चार्तुमास का आरंभ होता है।

उन्होंने कहा कि चार्तुमास के दौरान वे अपनी आध्यात्मिक साधना के साथ-साथ इन लगाए पौधों की नियमित देखभाल करेंगे, ताकि वे स्वस्थ रूप से विकसित हो सकें। यह अभियान निश्चित रूप से क्षेत्र में पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने में मदद करेगा।

भिवानी। रविवार को हनुमान जोहड़ी मंदिर परिसर में पौधरोपण करते महंत चरणदास और अन्य।

डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर जमालपुर में श्मशान भूमि हुई हरी-भरी, 70 पौधे किए रोपित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

देश के महान सपूत डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर रविवार को गांव जमालपुर में एक अनूठी पहल की गई। गांव के श्मशान भूमि पर 70 विभिन्न प्रकार के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण और दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों, युवाओं और जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया।

इस मौके पर सरपंच भूप सिंह ने कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों को याद करते हुए यह निर्णय लिया गया कि उनकी जयंती को केवल औपचारिकता न बनाकर, समाज और पर्यावरण के लिए कुछ ठोस किया जाए। इसी कड़ी में शमशान भूमि का चयन किया गया, ताकि यह स्थल भी हरियाली से आच्छादित हो सके और आने वाली पीढ़ियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस दौरान फलदार वृक्षों के साथ-साथ छायादार और औषधीय पौधे भी लगाए गए। उपस्थित ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि वे इन पौधों की देखभाल करेंगे और उन्हें बड़ा होने तक पोषित करेंगे।

इस अवसर पर सरपंच भूप सिंह, राजकुमार सरपंच, सुरेंद्र सैन, राजकुमार धानक, विकी धानक, सोमी धानक, सुरेंद्र चुग, सोनू कालड़ा, ऋषि सोनी, संदीप सैन, जयकिशन सैन, ओमप्रकाश बाल्मीकि सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

भिवानी। गांव जमालपुर के शमशानघाट में पौधारोपित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

एक दूसरे के सहारे खड़े हैं बिजली निगम के पोल

■ अधिकारी बोले एस्टीमेट बनाया जल्द होगा समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा में बिजली निगम द्वारा वर्षों पहले लगाए गए पोल जिनकी हालत बिल्कुल दयनीय हो चुकी है और ये कंडम हो चुके हैं व एक दूसरे के सहारे टिके हुए। यूं तो क्षेत्र में अनेकों ऐसे पोल है जिनकी सुध नहीं ली गई। लेकिन रेलवे रोड़ पर स्थित स्कूल के पास, हनुमान ढ़ाणी, बस स्टैंड आदि अनेक स्थानों पर ऐसे पोल हैं जो टूटे होने के कारण हादसों को निमंत्रण दे रहे हैं। रेलवे रोड पर लगे पोल जिसके पास से प्रतिदिन हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएं इसके पास से निकलती है किसी भी समय हो सकता है इन पोलों की वर्षों से कोई सुध नहीं ली गई। बताया जाता है कि इनसे किसी भी समय हादसा हो सकता है। दो दिन पहले कंडक्टर टूटने से बाल बाल बचे थे। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के साथ से एक कंडक्टर टूटा था 2 दिन पहले शाम के समय बहुत बड़ा हादसा हो सकता था उस समय इसके पास से भीड़ लगी रहती है क्योंकि यह मुख्य मार्ग होने के साथ-साथ रेलवे स्टेशन बस स्टैंड, हुड्डा कॉलोनी आदि की तरफ जाने वाला रास्ता है।

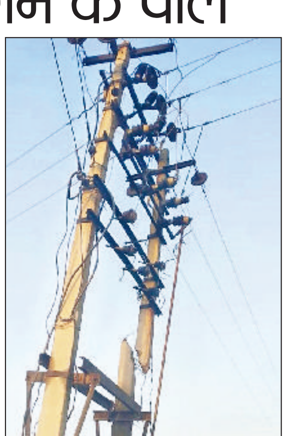

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा में रेलवे रोड पर स्थित कंडम दशा में बिजली का पोल व खेतों में लगा कंडम पोल।

इतिहास और संस्कृति से परिचित कराने का महत्वपूर्ण प्रयास 'जयंती समारोह' : मामनचंद

■ महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती पर प्रदेश स्तरीय समारोह के लिए पार्षद शिवकुमार गोठवाल के कार्यालय पर पहुंच दिया निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भीम स्टेडियम में 13 जुलाई को महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह पर आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने के लिए आयोजन कमेटी के सदस्य पूर्व चेयरमैन ममानचंद प्रजापति, रमेश टांक, सतपाल ठेकेदार व अर्जुन प्रजापति ने रविवार को स्थानीय लाईनपार क्षेत्र में वार्ड नंबर-19 के पार्षद शिवकुमार गोठवाल के कार्यालय में पहुंचकर निमंत्रण अभियान बताया।

पार्षद शिवकुमार गोठवाल ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए समारोह की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं और समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस मौके पर मामनचंद प्रजापति ने कहा कि यह निमंत्रण प्रजापति समाज के गौरवशाली इतिहास और महाराजा दक्ष प्रजापति के योगदान को स्मरण करने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले इस भव्य समारोह में सभी गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के प्रयासों का एक हिस्सा है। उन्होंने बताया कि 13 जुलाई को होने वाले इस प्रदेश स्तरीय समारोह में हरियाणा भर से प्रजापति समाज के लोग और विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख व्यक्ति शिरकत करेंगे। इस अवसर पर महाराजा दक्ष प्रजापति के आदर्शों और उनके जीवन मूल्यों पर प्रकाश डाला जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रजापति समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों को अपने इतिहास और संस्कृति से परिचित कराने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस अवसर पर उनके साथ संदीप यादव, मुकेश वर्मा, उमाशंकर सागवान, राकेश मलिक, सोनू शर्मा, मनवीर, सोनू, नसीब मलिक, अरविंद तंवर, संदीप खरोलिया, कैप्टन राजेंद्र सिंह, रोहतास वर्मा आदि मौजूद रहे।

भिवानी। प्रजापति जयंती समारोह को लेकर निमंत्रण देते पूर्व चेयरमैन मामन चंद।

भाजपा की नीयत में खोट सजग रहें लोग: सोमवीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढडा

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता व पूर्व विधायक सोमवीर श्योराण ने कहा कि भाजपा सरकार की नीति व नियत में खोट है इसीलिए जनता को सजगता बरतनी चाहिए। जब भी कोई न कोई चुनाव नजदीक आता है तो एक वर्ग को दूसरे वर्ग से लड़ाने की रणनीति शुरु हो जाती है। केंद्र के इशारे पर भाजपा नेता जानबूझ कर एक दूसरे वर्ग के प्रति आपसी भाईचारा खराब करने में जुट जाते हैं जिससे जनता का ध्यान विकास के रास्ते से भटक रहा है। यह बात उन्होंने क्षेत्र के आधा दर्जन गांवों में ग्रामीणों से मुलाकात करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि दादरी जिला आज प्रदेश में सबसे पिछड़े जिलों में शुमार हो गया है। राजनैतिक हस्तक्षेप के चलते यहां पर आईएएस अधिकारी से लेकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तक आने से कतरा रहे हैं जिससे हर विभाग में फाईलों का ढेर लगा हुआ है और दो साल पहले स्वीकृत योजनाओं का बजट खर्च नहीं हो पाया है।

सीबीएलयू में दाखिला लेने वालों की सुविधा के लिए विशेष बस सेवा शुरू, 9 बजे,10 बजे और 11:30 बजे चलेगी

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय द्वारा कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी के कुशल नेतृत्व एवं डॉ. भावना शर्मा के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय ओल्ड कैंपस से प्रेमनगर स्थित नए कैंपस तक बस की सुविधा शुरू की गई है। विवि के डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सुरेश मलिक ने बताया कि विश्वविद्यालय के ओल्ड परिसर से सुबह 9 बजे,10 बजे एवं 11:30 बजे विश्वविद्यालय की बस प्रेमनगर नए परिसर के लिए चलाई गई है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय के प्रेमनगर स्थित नए परिसर से दोपहर 1 बजे 3 बजे एवं 5 बजे बस सेवा विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध रहेगी। कुलपति के आदेशानुसार विद्यार्थियों के हित में उनकी यातायात सुविधा के लिए ये विशेष बस सेवा शुरू की है, ताकि विद्यार्थियों को आने जाने में कोई परेशानी न हो सके। विवि में दाखिला लेने वाले विद्यार्थी विशेष बस सेवा का लाभ उठा सकते हैं।

मुखर्जी का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा : राजेश धनखड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

देश के सबसे बड़े बलिदानी राष्ट्र उत्थान एवं जन सेवा के लिए जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती भाजपा जिला कार्यालय में कार्यालय सचिव राजेश धनखड़ ने कार्यालय स्टाफ एवं कार्यकर्ताओं के साथ मूर्ति पर पुष्प अर्पित व पौधारोपण कर मनाई। राजेश धनखड़ ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जो लगातार तीसरी बार जन सेवा के कार्य कर रही है यह श्यामा प्रसाद मुखर्जी की नीतियों के कारण ही संभव हुआ है । उन्होंने तत्कालीन सरकार से अपना मंत्री पद छोड़ा और देश को एक संविधान एक झंडा के ऊपर कार्य किया और ऐसी नीतियां उन्होंने बनाई के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की सुविधा पहुंचे । हर व्यक्ति को देश और सरकार की नीतियों का पता होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके नक्शे कदम पर चलते हुए धारा 370 और 35 एक को खत्म करके पूरे देश में एक झंडा एक संविधान लागू किया है। आज देश में उनका सपना साकार हो रहा है और गरीब से गरीब व्यक्ति सरकार की नीतियों का फायदा उठा रहा है । इस अवसर पर भाजपा प्रदेश सैनिक प्रकोष्ठ के सहसंयोजक धर्मपाल शर्मा बापोड़ा, संजय शर्मा सुई, कार्यालय कंप्यूटर ऑपरेटर हर्ष वर्मा, पंकज कुमार,रमन बामला आदि उपस्थित रहे।

भिवानी। जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर पुष्प अर्पित करते हुए।

प्रखर राष्ट्रवादी थे श्यामा प्रसाद मुखर्जी: बडेसरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

जनसंघ के संस्थापक प्रमुख शिक्षाविद, प्रखर राष्ट्रवाद चिंतक और भारतीय एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च न्योछावर करने वाले डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का रविवार को जन्मदिन मनाते हुए पूर्व जिला अध्यक्ष मुनीश बडेसरा ने कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि एक देश में दो संविधान दो निशान नहीं चलेंगे ये कहकर जनसंघ की स्थापना की थी। फिर जनसंघ से चुनाव लड़े और सांसद बने। फिर कश्मीर में बिना वीजा गए और उस समय की नेहरू सरकार में राष्ट्रविरोधी ताकतों ने षड्यंत्र रच उनको मरवा दिया था परंतु आज देश की सरकार मुखर्जी के सपनो को पूरा कर रही हैं और हमें भी उनके दिखाए रास्ते पर चलना चाहिए। पूर्व चेयरमैन चंद्रपाल सांगवान ने कहा कि मुखर्जी बलिदान हो गए परंतु कश्मीर हमें दे गए। क्योंकि कश्मीर में से 70 धारा भाजपा सरकार ने उनके लिए प्रण को पूरा किया है और आज कश्मीर हमें आजाद भारत का हिस्सा बना है। हमने मुखर्जी से सीखना चाहिए।

बापोड़ा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अर्पित की श्रद्धांजलि

तोशाम। "एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे" के उद्घोषक, भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर रविवार को बापौडा मण्डल के गाँव बापौडा, लोहानी, कुसुम्भी, शिमलीवास मे सभी प्रमुख कार्यकर्ता, बूथ अध्यक्ष, शक्तिकेंद्र प्रमुख व सह शक्तिकेंद्र प्रमुखो के साथ पौधारोपण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान भाजपा के बापोड़ा मंडल अध्यक्ष जगत बापोड़ा ने कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता को समर्पित उनका जीवन हम सब के लिए प्रेरणास्रोत है, हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए उनके आदर्शों पर चलना चाहिए।

बवानीखेड़ा। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर विधायक कपूर वाल्मीकि छोटे भाई राकेश कुमार पौधे रोपित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर किया पौधरोपण

बवानीखेड़ा। देश के महान सपूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर रविवार को विधायक कपूर वाल्मीकि के बड़े भाई मा. राजेश कुमार ने बवानी खेड़ा शहर में विभिन्न स्थानों पर व छोटे भाई राकेश कुमार ने गांव चांग में पहुंचकर विभिन्न प्रकार के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों, युवाओं और जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। इस मौके पर दोनों भाईयों ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों को याद करते हुए यह निर्णय लिया गया कि उनकी जयंती को केवल औपचारिकता न बनाकर, समाज और पर्यावरण के लिए कुछ ठोस किया जाए। इस दौरान उन्होंने फलदार वृक्षों के साथ-साथ छायादार और औषधीय पौधे भी लगाए गए। उपस्थित ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि वे इन पौधों की देखभाल करेंगे और उन्हें बड़ा होने तक पोषित करेंगे। इस अवसर पर आशीष कुमार, ललित कुमार, संजय कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

खबर संक्षेप

लोहारू। सब्जी मंडी के पास एनएच 709ई पर गंदगी के ढेर में मुंह मारते हुए मवेशी।

सब्जी मंडी के नजदीक गंदगी का आलम

लोहारू। शहर के सब्जी मंडी और बस स्टैंड के बीच इलाके में इन दिनों सफाई व्यवस्था इतनी चरमराई हुई है कि यहां से गुजरने वाले राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। रविवार को यह स्थिति और भी अधिक बिगड़ जाती है। शहर के सामाजिक संगठनों के सदस्यों और आम लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से सब्जी मंडी गली, बस स्टेंड से रेलवे स्टेशन के बीच और बीआरसी कार्यालय के पीछे गली की सफाई व्यवस्था बेहतर करने की मांग की है।

बवानीखेड़ा। आयोजित मीटिंग में दिशा निर्देश देते हुए।

लिंगानुपात बढ़ाने को लेकर बैठक में मंथन

बवानीखेड़ा। सीएचसी धनाना के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी इंचार्ज डॉ राहुल सांगवान के द्वारा समस्त फील्ड स्टाफ के अधिकारी एवं कर्मचारियों की मीटिंग ली गई मीटिंग का मुख्य उदेश्य लिंगनुपात , एमटीपी अबॉर्शन, पर कर्मचारियों को सुझाव दिए और सभी कर्मचारियों से उनके सेंटर से संबंधित लिंगनुपात रिकॉर्ड को चेक किया जिन स्वास्थ्य कर्मचारियों का कार्य टारगेट से कम पाया गया उनका भविष्य में टारगेट पूरा करने वाले निर्देश दिए।

मेडिकल शिविर में जांचा मरीजों का स्वास्थ्य

भिवानी। जीएमसी सनराइज अस्पताल ने रामनगर कॉलोनी स्थित मंदिर में प्रातः 10 से 2 बजे तक निःशुल्क मेडिकल शिविर का आयोजन किया। यह जानकारी देते हुए जीएमसी सनराइज अस्पताल के संचालक डॉ. एमएल शर्मा ने बताया कि मेडिकल शिविर में चिकित्सकों द्वारा मरीजों की जांच कर उन्हें निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की। उन्होंने बताया विभिन विभिन संस्थाओं द्वारा समय-समय पर कैंप लगाए जाते है, जिसमें नागरिकों को लाभ उठाना चाहिए।

निःशुल्क कानूनी सहायता बारे में जागरूक किया

बाढ़ड़ा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चरखी दादरी के संदर्भ में चेयरमैन नरेश कुमार जिला एवं सत्र न्यायाधीश व सचिव संजीव काजला मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के निर्देशानुसार आज लीगल एड 1लीनिक कैंप का आयोजन रविवार को बाढडा में किया गया।

इसमें एडवोकेट बबीता श्योराण पैनल अधिवक्ता व पैरा लीगल वालिंटियर अधिकार रक्षक जितेंद्र डांडमा ने कैंप लगाया। पैनल अधिवक्ता बबीता श्योराण बाढडा ने जागरुकता शिविर में निःशुल्क कानूनी सहायता के बारे में सलाह दी।

गरीब की रसोई से सब्जियां गायब, गृहिणियों का बजट बिगड़ा

हरी मिर्ची हुई तीखी, टमाटर हुआ और लाल, दो से तीन गुणा तक बढ़े दाम

दो सप्ताह पहले धनिया 80 रुपये किलोग्राम बिक रहा था, जो अब 300 रुपये किलो के भाव बिक रहा ।

राकेश भटठी ▶▶| भिवानी

मानसून सीजन शुरू होते ही सब्जियों के दाम आसमान छूने लगे हैं। बरसात की वजह से सब्जियों की ज्यादा तुड़ाई नहीं हो रही और खेतों में जमा पानी में ही ज्यादातर सब्जियां खराब हो रही हैं, जिसकारण मंडियों में पर्याप्त मात्रा में सब्जियां नहीं पहुंच रही। मंडियों में सब्जियों की पहुंच कम होने और डिमांड पूरी न होने के कारण सब्जियों के भाव दो से तीन गुणा तक बढ़ गए हैं। मानसून सीजन शुरू होते ही सब्जी-रोटी खाओ, प्रभु के गुण गाओ वाली कहावत भी विपरीत हो गई हैं। अब गरीब का सब्जी-रोटी खाना भी बहुत मुश्किल हो गया हैं।

भावों में बढ़ोतरी होने से सब्जियां गरीब की रसोई की तहलीज से बाहर हो गई हैं। उल्लेखनीय हैं कि मानसून सीजन आने से सब्जी के दामों में दो से तीन गुणा तक बढ़ोतरी हो गई हैं और गृहिणियों के रसोई का बजट भी पूरी तरह से बिगड़ गया हैं। दो सप्ताह पहले धनिया 80 रुपये किलोग्राम बिक रहा था, जो अब 300 किलो के भाव बिक रहा हैं। भावों ने धनियों का रंग गहरा हरा कर दिया हैं। वहीं हरी मिर्च पहले 20 रुपये थी, जो 80 रुपये किलोग्राम बिक रही हैं तथा ततिया हरी मिर्च 40 रुपये से बढ़कर 120 रुपये बिक रही हैं, जिसका भाव सुनकर ही ग्राहक को मिर्ची लग रही हैं। मिर्ची के भावों में तीन गुणा उछाल आने से ये और अधिक तीखी लगने लगी हैं। वहीं पालक 20 रुपये से बढ़कर 60 रुपये, पोदीना 40 से बढ़कर 100 रुपये और शिमला 60 रुपये से बढ़कर 160 रुपये किलोग्राम बिक रहे हैं, जिनके भावों में तीन गुणा तक उछाल आया हैं और गरीब की रसोई की तहलीज से सब्जियां गायब हो गई हैं और जनता का हाल बेहाल हो गया हैं। मानसून सीजन आते ही टमाटर ने भी अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया हैं और दो गुणा भावों में बढ़ोतरी से जनता का हाल बेहाल कर दिया हैं। दो सप्ताह पहले टमाटर 40 रुपये बिकता था, जो अब 80 रुपये के बिक रहा हैं, जिसके दामों में और भी जबरदस्त उछाल हो सकता हैं। वहीं भिंडी, नींबू, तोरी, फूल गोभी, पॉली हाऊस खीरा के दामों में भी दो गुणा बढ़ोतरी हुई हैं। भिंडी 40 से बढ़कर 80 रुपये, नींबू 100 से बढ़कर 200 रुपये, तोरी 40 से बढ़कर 80 रुपये, फूल गोभी 40 से बढ़कर 80, पॉली हाऊस खीरा 40 से बढ़कर 80 रुपये तक बिक रहा हैं। ऐसे ही हालत रहे तो गरीब परिवारों के सामने संकट खड़ा हो जाएगा और उनकी हालत बद से भी बदत्तर हो जाएगी और घरेलू बजट भी बिगड़ जाएगा।

भिवानी। पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में सब्जी बेचता रामपाल वर्मा। फोटो : हरिभूमि

ज्यादा बारिश व गर्मी के कारण खराब हो रही सब्जियां

सब्जी व्यापारी सतपाल कदम व जोनी बेडवाल ने बताया कि मानसून सीजन में सब्जियों के दामों में अक्सर बढ़ोतरी होती हैं। जून, जुलाई व अगस्त माह में सब्जियों दाम आसमान को छूते हैं, क्योंकि ज्यादा बारिश व गर्मी सब्जी के लिए काफी खतरनाक हैं। बरसात व गर्मी की वजह से सब्जियों की बेल व पौधों के फूल झड़ व जल जाते हैं और वह खराब हो जाती हैं। इसी कारण सब्जियों की पैदावार घट जाती हैं। मंडियों में डिमांड ज्यादा और सब्जियां कम आने से भावों में जबरदस्त उछाल आ जाता हैं।

ये हैं सब्जियों के भाव

सब्जी का नाम	पहले के दाम	अब के दाम
धनिया	80	300
हरी मिर्च	20	80
ततिया हरी मिर्च	40	120
पालक	20	60
पोदीना	40	100
शिमला	60	160
भिंडी	40	80
नींबू	100	200
तोरी	40	80
टमाटर	40	80
फूल गोभी	40	80
पॉली हाऊस खीरा	40	80
लहसुन	100	160
करेला	50	80
देशी खीरा	40	60
टींडा	60	100
बंद गोभी	30	40
प्याज	20	30
आलू	15	20
बैंगन	40	60
मक्का	30	50
मटर	120	200

नोट : सभी सब्जियों के भाव प्रति किलोग्राम में हैं।

बरसाती पानी में फंस रहे वाहन

बरसात के कारण पेड़ टूटने व पानी भरने से अधिकत्तर रास्तें बंद हो जाते हैं और सब्जियों की पहुंच करने वाले ट्रकों को लम्बा रास्ता तय करके मंडियों में पहुंचना पड़ता हैं, ऐसे में काफी ट्रक तो बरसाती पानी की वजह से फंस भी जाते हैं, जिसकारण वे मंडियों तक पहुंच नहीं पाते और सब्जियां खराब हो जाती हैं। इसके साथ ही बरसात के कारण खेतों से सब्जियों की तुड़ाई भी ज्यादा नहीं हो पाती और खेतों में पानी जमा होने से सब्जियां खेत में भी खराब हो जाती हैं।

बारिश में गल जाती हैं बेल

रिवाड़ीखेड़ा निवासी किसान विरेंद्र मिंटू व अशोक ने बताया कि गर्मी में लू लगने व बरसात के कारण सब्जियों के पौधें व बेल खराब हो जाते हैं और गल जाते हैं। इसके साथ ही सब्जियों की पैदावार भी घट जाती हैं,ऐसे में सब्जियों की मांग ज्यादा और पैदावार कम होने के कारण भाव आसमान को छूते हैं।

भिवानी। गोशाला में पौधरोपित करते हुए।

गोसेवा के साथ ऑक्सीवन की ओर नंदीशाला सेवा दल ने बढ़ाया कदम

भिवानी। गोसेवा और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ साधते हुए नंदीशाला सेवा दल ने एक अनुकरणीय पहल की शुरूआत की है, जिसके तहत स्थानीय हालुवास रोड़ पर मुक्तिधाम के नजदीक स्थित नंदीशाला को सिर्फ गौवंश के आश्रय स्थल तक सीमित ना रखते हुए, उसे एक ऑक्सीवन के रूप में विकसित करने का महत्वाकांक्षी अभियान चलाया हुआ है। इसी अभियान को आगे बढ़ाते हुए नंदीशाला सेवा दल के सदस्यों ने रविवार को नंदीशाला परिसर में 21 पौधे रोपित कर अभियान को और गति देने का काम किया। इस मौके पर जिला बार एसोसिएशन, अधिवक्ता परिषद व भाजपा लीगल सैल, स्वर्णकार सभा के पदाधिकारी मुख्य तौर पर पहुंचे तथा पौधारोपण किया तथा ऑक्सवीन के अभियान की सराहना की। इस मौके पर नंदीशाला सेवा दल के मीडिया प्रभारी राजीव मित्तल ने कहा कि नंदीशाला सेवा दल लंबे समय से गौसेवा के क्षेत्र में सक्रिय है, लेकिन अब उन्होंने अपनी गतिविधियों का विस्तार पर्यावरण संरक्षण तक कर दिया है। उनका मानना है कि स्वस्थ गौवंश के लिए स्वस्थ पर्यावरण का होना अत्यंत आवश्यक है। इसी सोच के साथ नंदीशाला परिसर को हरा-भरा और प्राणवायु से भरपूर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य नंदीशाला परिसर में घनी हरियाली विकसित कर उसे एक लघु वन क्षेत्र में बदलना है। इससे ना केवल नंदीशाला में रहने वाले गौवंश को स्वच्छ और शांत वातावरण मिलेगा, बल्कि स्थानीय पर्यावरण में भी सुधार होगा। यह पहल वायु प्रदूषण को कम करने और जैव विविधता को बढ़ावा देने में भी सहायक सिद्ध होगी। इस मौके पर नंदीशाला पर्यावरण प्रमुख राजेश बासिया ने कहा कि नंदीशाला सेवा दल की यह पहल वास्तव में प्रेरणादायक है तथा दिखाती है कि कैसे छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव लाए जा सकते है। उन्होंने कहा कि गौसेवा और पर्यावरण संरक्षण का यह संगम निश्चित रूप से समाज में एक सकारात्मक संदेश देगा। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा प्रयास है जो ना केवल गौमाता की सेवा करता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर और स्वच्छ भविष्य का निर्माण भी करता है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से अपील की है कि वे नंदीशाला सेवा दल के इस अभियान से जुड़ें और गौसेवा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के इस महत्वपूर्ण कार्य में अपना योगदान दें।

कुपोषण मुक्त भिवानी अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य जांच शिविर में 72 की हुई जांच

भिवानी। स्वास्थ्य विभाग भिवानी और स्वयंसेवी संस्था सेवा भारती भिवानी ने मिलकर कुपोषण मुक्त भिवानी के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी कड़ी में कुपोषण मुक्त भिवानी अभियान के अंतर्गत रविवार को स्थानीय हनुमान जोहड़ी मंदिर में दूसरे जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें डा. नवीन अंचल की टीम ने लगभग 72 से अधिक बच्चों के स्वाथ्य की जांच की। इसमें बच्चों की आंखों, दांतों, खून, वजन आदि की जांच की गई। इसमें जो बच्चे जांच के दोरान कुपोषित या अन्य बीमारी से ग्रस्त पाए गए, उनको निःशुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। बता दे कि कुपोषण मुक्त भिवानी अभियान के तहत सेवा भारती के जिला अध्यक्ष मनोहर लाल, जिला सचिव नैन कुमार व अध्यापिका सुषमा, पूजा, सुदेश शारदा द्वारा घर-घर जाकर संपर्क किया गया तथा बच्चों को जांच शिविर तक लेकर आए। जांच शिविर का शुभारंभ बालयोगी महंत चरणदास महाराज के सान्निध्य में संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी सुभाष गोयल ने किया। इस मौके पर सेवा भारती के जिला अध्यक्ष मनोहर लाल ने कहा कि यह शिविर भिवानी में बच्चों के पोषण स्तर को सुधारने और उन्हें कुपोषण से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इस अभियान का मुख्य ध्येय स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना है। कुपोषण एक गंभीर चुनौती है जो बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को प्रभावित करती है। ऐसे में इस चुनौती से जागरूकता व सार्थक प्रयासों से ही निपटा जा सकता है। इस मौके पर डा. नवीन अंचल ने सेवा भारती भिवानी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जनभागीदारी वाले अभियान ही कुपोषण मुक्त भिवानी के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस मौके पर सचिव नैन कुमार, नगर अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, नगर सचिव निधि शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नीट परीक्षा उतीर्ण करने वाली ज्योति का अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढडा

गांव बडराई निवासी छात्रा ज्योति द्वारा प्रथम प्रयास में ही नीट परीक्षा उतीर्ण करने पर रविवार को गांव में पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। छात्रा ने प्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री श्याम मंदिर में पूजा अर्चना कर जिला पार्षद प्रतिनिधि अशोक कादमा की अगुवाई में ग्रामीणों ने विजयी जुलूस के साथ गांव के मुख्य चौक पर अभिनंदन किया।

गांव बडराई के मुख्य चौक पर ज्योति पुत्री नरेश कुमार के नीट परीक्षा में सफलता हासिल करने आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पार्षद प्रतिनिधि अशोक कादमा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाएं आज किसी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। ज्योति ने 12वीं कक्षा के बाद मात्र छह माह सीकर में कोचिंग ली तथा उसके बाद घर पर रहकर बेहतरीन अंकों के साथ सरकारी चिकित्सा केंद्र में दाखिला पाने का सपना पूरा किया। जजपा हलकाध्यक्ष विजय श्योराण काकड़ौली ने कहा कि प्रतिभा कभी परिचय की मोहताज नहीं होती। छात्रा ज्योति ने कहा कि शिक्षा जनसेवा की मानसिकता पैदा करती है। चिकित्सा सेवा से जुड़कर हम हर वर्ग की मदद कर सकते हैं। उन्होंने क्षेत्र के लोगों का कार्यक्रम में पहुंच कर आशीर्वाद देने के लिए आभार प्रकट किया। इस अवसर पर जजपा हलकाध्यक्ष विजय श्योराण काकड़ौली, समाजसेवी मास्टर संजीत कुमार, आनंद बडराई, डा. विकास कलकल, पूर्व सरपंच नरेश पूनिया गोपालवास, पूर्व सरपंच कर्मबीर, नरेश ठेकेदार झोझू, पहलवान विरेंद्र सिंह, टिन्नू, सतपाल सिंह, प्रदीप, मनोज कुमार, नरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

बाढड़ा। नीट परीक्षा उतीर्ण करने वाली छात्रा ज्योति को सम्मानित करते जिला पार्षद अशोक कादमा व अन्य।

बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन 9 व 25 को

भिवानी। चौ. बंसीलाल सामान्य अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के रवैये को लेकर बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारियों में भारी रोष बना हुआ है। बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन भिवानी के प्रधान रविन्द्र कुमार ने बताया कि 26 जुन को सीएमओ द्वारा बहुउद्देशीय महिला कर्मचारियों की एक बैठक बुलाई गई थी। उस बैठक में सीएमओं ने अशोभनीय भाषा का प्रयोग किया तथा उन्हें तरह-तरह की धमकी दी। जिसके कारण उन्हें रोष बना हुआ है।

योग साधकों ने सफाई अभियान चलाया

भिवानी। कोंट रोड मिनी बाईपास स्थित दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर में चल रही निःशुल्क योग कक्षा के योग साधकों ने रविवार को मंदिर के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया। मंदिर प्रांगण, आसपास की गलियों और स्थानों पर जमा कूड़े-कचरे को एकत्रित कर साफ-सफाई की। मंदिर प्रबंधक उर्मिला सैनी व योगाचार्य बिजेश जावला ने कहा कि मंदिर केवल पूजन का स्थान नहीं होता, ये हमारी संस्कृति, आस्था और सामाजिक जिम्मेदारी का केंद्र भी होता है। उन्होंने कहा कि जब हम यहां योग करते हैं, तो उसका प्रभाव वातावरण पर भी पड़े, इसके लिए जरूरी है कि मंदिर परिसर और आस-पास पूर्ण रूप से स्वच्छ रहे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल शरीर और स्थान की नहीं, बल्कि हमारे विचारों की भी होनी चाहिए, जब वातावरण स्वच्छ होगा, तब मन निर्मल होगा और साधना अधिक फलदायी होगी। योगाचार्य पर्यावरण रक्षक बिजेश जावला व पुजारी शुभम ने बताया कि संस्था समाज में जागरूकता फैलाने के लिए समय-समय पर स्वच्छता अभियान, योग अभ्यास, पौधरोपण और नशामुक्ति जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती है।

33 करोड़ की लागत से संवरेगी लिफ्ट इरीगेशन व्यवस्था

- मरूस्थली क्षेत्रों में सिंचाई के लिए शुरू की गई लिफ्ट इरीगेशन व्यवस्था के पुर्ननिर्माण का कार्य शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

दक्षिण हरियाणा के ऊंचाई में स्थित रेगिस्तानी क्षेत्र में फसलों की सिंचाई के लिए वर्ष 1970 में शुरू की गई जल उठान सिंचाई परियोजना (लिफ्ट इरीगेशन) को फिर से नए सिरे से तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। इसको लेकर राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने आज चौ. बंसीलाल कैनाल, जिसे पहले जुई फीडर कहा जाता था, वहां से लिफ्ट इरीगेशन जीर्णोद्वार के लिए आधारशिला रखी।

इस योजना पर केंद्र व राज्य सरकार के सिंचाई विभाग द्वारा 33 करोड़ रूपये खर्च किए जाएंगे। किरण चौधरी ने लिफ्ट इरीगेशन के इस स्टेशन का निरीक्षण किया तथा वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने बताया कि वर्ष 1970 में चौ. बंसीलाल ने तत्कालीक प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सहयोग से ऊंचाई पर स्थित मरूस्थलीय क्षेत्रों में सिंचाई के लिए लिफ्ट इरीगेशन व्यवस्था की शुरूआत की थी। आज 55 वर्ष बाद भी यह व्यवस्था काम कर रही है। इससे दक्षिण हरियाणा का सिंचित क्षेत्र बढ़ा है।

भिवानी। लिफ्ट इरीगेशन व्यवस्था के पुर्ननिर्माण के लिए आधारशिला रखवाते हुए।

कैनाल सिस्टम होगा दुरुस्त

सांसद ने कहा कि जुई वॉटर सर्विस डिविजन भिवानी के तहत लगभग 27 किलोमीटर से अधिक के कैनाल सिस्टम को 32 करोड़ 95 लाख रूपये खर्च करके दुरूस्त किया जाएगा। इससे लगभग कैरू ब्लॉक के गांव लोहानी, ललहाना, ढ़ाणी शंकर, गोलागढ़, जुई, बिजलानवास सहित 22 गांवों को सीधा फायदा होगा। इस परियोजना के तहत पानी को लगभग 21 फुट लिफ्ट करके ऊंचाई में बनाई गई नहरों में डाला जाएगा। किरण चौधरी ने कहा कि यह चौ. बंसीलाल द्वारा शुरू किया गया महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट था। उन्होंने अपने मुख्यमंत्री रहते हुए जब इस प्रोजेक्ट को शुरू किया था तो विपक्षी लोगों ने इस कार्य को असंभव बताया था। परन्तु चौ. बंसीलाल ने अलग-अलग स्थानों पर ऐसे स्टेशन तैयार किए, जहां से पानी को 21 से 50 फुट तक ऊंचा उठाकर रेगिस्तान में बनी नहरों तक पहुंचाया तथा यहां का लंबा क्षेत्र सिंचित हो सका। उन्होंने कहा कि आज जहां पहले फसल भी पैदा नहीं होती थी, वहां पर स्ट्रॉबेरी की खेती होती है। यह लिफ्ट इरीगेशन व्यवस्था की ही देन है। किरण चौधरी ने कहा कि बिहार के किसी अधिकारी को यहां तहसीलदार बनाए जाने को मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। चाहे बिहार हो या बंगाल हो, महाराष्ट्र हो या दिल्ली हो। हम सब भारत है। अन्य राज्यों से आकर हरियाणा में काम करने वाले भी भारतीय है।

माकपा ने ओबीसी आरक्षण पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का किया स्वागत

भिवानी। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की भिवानी जिला कमेटी ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अपने कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण लागू करने के निर्णय का स्वागत किया है। न्यायालय ने विकलांग व्यक्तियों, भूतपूर्व सैनिकों व स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों को आरक्षण दिया है। माकपा के जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश ने प्रेस ब्यान जारी करते हुए कहा कि ये महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्य न्यायाधीश ने सर्वोच्च न्यायालय के गैर-न्यायिक कर्मचारियों में अनुसूचित जातियों व अनुसूचित जनजातियों की भर्ती के लिए रोस्टर प्रणाली के कार्यान्वयन की पहल की है। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई द्वारा भर्ती नियमों में संशोधन करने की पहल की पार्टी सराहना करती है, जिससे न्यायालय के गैर-न्यायिक कर्मचारियों की नियुक्ति में लंबे समय से प्रतीक्षित और महत्वपूर्ण सुधार को सुगम बनाया जा सकेगा। ये निर्णय सामाजिक न्याय आंदोलन की लंबे समय से चली आ रही मांग की आंशिक पूर्ति की दिशा में स्वागत योग्य कदम है, जिसके तहत उन क्षेत्रों में आरक्षण का विस्तार किया जाना है, जो अब तक सकारात्मक कार्रवाई के दायरे से बाहर रहे हैं।

पूर्व की बारिश से नहीं लिया सबक, नाले से निकालकर सड़क किनारे डाली शिल्ट

शिल्ट से अटे नाले, कैसे निकले शहर में जमा बारिश का पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

लगता है कि विगत में हलकी बारिश से शहर में अनेक जगह हुए जलभराव से सबक नहीं लिया। क्योंकि बारिश का सीजन शुरू होने के बावजूद भी शहर के बरसाती पानी की निकासी के लिए बनाए गए नालों की सफाई नहीं की गई है। अधिकांश नालों में उपर तक शिल्ट जमा है। शिल्ट की वजह से घरों से निकलने वाला पानी गली व सड़कों पर फैल रहा है। वहीं जिन नालों से थोड़ी बहुत शिल्ट निकाली गई है। उस शिल्ट को सड़क किनारे डाल दिया। जरा सी बारिश आई तो वह शिल्ट बह कर पानी के साथ फिर से नाले के अंदर चली जाएगी। ऐसे में नालों की सफाई का क्या फायदा होगा। अगर फिर बारिश आई तो शहर का डूबना लाजिमी है। करीब एक सप्ताह पहले 12 एमएम बारिश हुई थी। उक्त बारिश के पानी की भी सही निकासी की व्यवस्था नहीं बन पाई। जिस वजह से शहर के अनेक जगहों पर जलभराव की स्थिति बन गई। बाद में करीब दो से तीन घंटों बाद शहर में जमा बारिश के पानी की निकासी हो पाई थी। हालांकि उस वक्त भी शहर के बारिश के पानी की निकासी के लिए बनाए गए नालों की स्थिति इसी तरह की थी, लेकिन अब कुछेक नालों की सफाई की। पर नालों से निकाली गई गाद को सड़क किनारे ही डाल दिया। अब वह राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है।

भिवानी। नालों से बाहर निकाली गई गाद पड़ी सड़क किनारे व गंदगी से अटा बरसाती पानी की निकासी के लिए बना नाला।

अंदरूनी शहर की स्थिति बेहद खराब

वैसे तो कई जगहों पर नालों की शिल्ट निकालकर सड़क किनारे डाल दी गई। पर अंदरूनी शहर की स्थिति बेहद पतली है। यहां पर कुछ सड़कों पर तो दुकानदारों ने सामान रखकर कब्जा किया हुआ है। अब कुछ सड़क पर नाले से निकाल कर शिल्ट डाल दी। वाहन चालक व राहगीरों के लिए नई परेशानी खड़ी हो गई। क्योंकि उनको सड़क के बीच में ही चलना पड़ रहा है। ऐसे में दुर्घटना घटने का अंदेशा बना रहता है।